धर्मपुर किसान उत्पादक सहकारी सभा

गांव व डाकघर डरवाइ तहसील धर्मपुर, जिला मंडी (हि.प्र)-175025
पंजीकरण संख्या: HPCS-1171 दिनांक 27-9-2022

वार्षिक रिर्पोट-2024-25
साधारण सभा बैठक
दिनांक12मई,2025 स्थान-सज्याओपिपलू

पृष्ठभूमि

वर्ष2020 में भारत के सहकारिता मंत्रालय की दस हजार एफपीओ (किसान उत्पादक संघ) गठन योजना के अंतर्गत मण्डी जिला के धर्मपुर विकास खंड में वर्ष 2022 में एफपीओ संचालन के लिये धर्मपुर किसान उत्पादक सहकारी सभा का पंजीकरण 27सितंबर,2022 को हुआ है। यह सभा-सोसायटी हिमाचल प्रदेश सहकारिता पंजीकरण कानून-2006 के तहत पंजीकृत हुई है जिसमें प्रथम वर्ष 2022-23 में ग्राम पंचायत डरवाइ के सात गांवों के 100 शेयर होल्डर्ज बने थे जो वर्ष 2023-2024 में 552 जिनमें तथा वर्ष 2024-25 में 1537 हो गये है। सभा ने एफपीओ के कार्य संचालन हेतु पांच क्षेत्रीय कमेटियों (सज्याओ, टिहरा, संधोल, बरोटी-मण्डप और धर्मपुर) का गठन किया है। जिनके माध्यम से शेयर होल्डर्ज बनाने में तेजी आई और वर्तमान में हम धर्मपुर विकास खंड की अधिकतम ग्राम पंचायतों में शेयर होल्डर्ज बनाने में सफल हुये है। लेकिन कुछ ग्राम पंचायतें अभी भी छूट गई है जिनमें हम 30जून,2025 तक सदस्य/शेयर होल्डर्ज बनाने का लक्ष्य हासिल करने के लिये प्रयासरत है। गत वित्त वर्ष तक हिमाचल प्रदेश में गठित एफपीओ में शेयर होल्डर्ज की दृष्टि से धर्मपुर का एफपीओ अग्रणी स्थान पर है। जिसके लिये प्रबंधक कमेटी, वर्किंग कमेटी और आप सभी शेयर होल्डर्ज बधाई के पात्र हैं। हमने 2000 शेयर होल्डर्ज बनाने का लक्ष्य 30अप्रैल,2025 तक निर्धारित किया है। जिसमें से अप्रैल माह में हम 200 के लगभग का लक्ष्य हासिल कर चुके हैं। अब 300 शेयर होल्डर्ज और बनाने है ये लक्ष्य हासिल हो जायेगा तो हम राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतरीन एफपीओ में शामिल हो जायेगें। अतः आप सभी से अनुरोध है कि इस लक्ष्य को हासिल करने में अपना-अपना योगदान दें और अगले 15 दिनों में सभी शेयर होल्डर्ज भर्ती करें।

वित्त वर्ष 2024-25प्रमुख गतिविधियां

1. एफपीओ द्वारा मोटे अनाजों, हल्दी उत्पादन और बिक्री,स्थानीय फलों का आचार व अन्य खाद्य उत्पाद बनाने में गत वर्ष कार्य किया है। जिसके तहत छःस्थानों पर महिला शेयर होल्डरों के समूहों को लाईसेंस उपलब्ध करवाये गये है। जिनमें सिद्धपुर ग्राम पंचायत के सकोह ग्रांव में "लीला मैमोरियल एग्रो प्रोसेसिंग यूनिट", घरवासड़ा में "श्री अन्न महिला एग्रो प्रोसेसिंग सेंटर", तनियार में "धाइता एग्रो प्रोसेसिंग एंड मार्केटिंग सैंटर, बरोटी में प्राकृतिक फूड प्रोसेसिंग सैंटर, जोढ़न में "जोढ़न एग्रो फूड प्रोसेसिंग सैंटर" और संधोल में "संधोल महिला एग्रो प्रोसेसिंग सैंटर शामिल हैं। इसके अलावा विंगा में फूड कलेक्शन एण्ड भण्डारण सैंटर और वसंतपूर क्षेत्र में भी प्रोसेसिंग सैंटर स्थापित करने की भी योजना है। इन सैंटरों को विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार करने के लिये शुरूआती प्रशिक्षण भी उपलब्ध करवाये गये हैं।
2. वर्मी कम्पोस्ट (केचुआँ खाद) तैयार करने के लिये ग्राम पंचायत समौइ और खनौइ में महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। इसी प्रकार गौसदन संधोल और नाल्ह (लौंगणी) में भी एफपीओ द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है। समौइ में लगभग 15क्विंटल और खनौइ में लगभग 5क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट खाद तैयार हो चुकी है जिसकी पैकिंग करके बिक्री की जा रही है। भविष्य में इसकी बहुत ज्यादा मांग आने की संभावना है। इसलिये यह उत्पाद भी हमारा प्रमुख उत्पाद हो सकता है। इसके लिये अगल से सैंटर पंजीकरण करने की योजना है।

3. मोटे अनाज व स्थानीय फलों के उत्पादों में सबसे बेहतर कार्य सकोह–सिद्धपुर के सैंटर ने किया है। जिन्होंनें लगभग 7.50लाख रूपये की खाद्य सामग्री बिकी की है जिसमें लगभग 5लाख के कोदरे के लड्डू और मिठाईयां तथा 2.50लाख रूपये का आचार बिकी किया है। इसके अलावा तनियार सैंटर ने 2.75लाख, बरोटी ने 50हजार, जोढ़न ने 1 लाख के उत्पाद बिकी किये है।

4. शुगर नियंत्रक आटा एवम् हल्दी पाउडर घरवासड़ा सैंटर में महिलाओं द्वारा तैयार किया जा रहा है। गत वर्ष में इन दोनों उत्पादों की बिकी लगभग 2.50लाख रूपये हुई है।

5. इसके अलावा एफपीओ द्वारा दूसरे राज्यों के एफपीओ और किसानों से लाल चावल, विभिन्न प्रकार की दालें, चंबा चुख, कैमोलीन चाय इत्यादि की खरीद करके बिकी की है। इसके अलावा हल्दी, सब्जियों, लहसून, अनाजों व पशु आहार के घास तथा कीटनाशकों और रसायनिक खादों की बिकी भी की है। सीजन के दौरान सेब व अखरोट इत्यादि की खरीद व भी बिकी भी की गई है।

6. दिपावली उत्सव उड़ान का आयोजन 28,29अक्तूबर,2024 को धर्मपुर में जन सहयोग से किया गया। जिसमें महिला प्रोसेसिंग सैंटर द्वारा दिपावली के लिये लगभग 16 क्विंटल मिठाई तैयार की गई थी। उत्सव में धर्मपुर के अलावा अन्य खंडों के समूहों ने भी भाग लिया। इस उत्सव से एफपीओ और अन्य समूहों द्वारा तैयार की जा रही सामग्री को बिकी करने में मदद मिली और प्रचार–प्रसार भी हुआ।

7. 15अगस्त,2024 को लाल किला दिल्ली में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिये एफपीओ धर्मपुर को विशेष अतिथि बनाया गया जो हम सबके लिये गौरव का क्षण था जिसमें हमारे कार्य को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान व मान्यता प्राप्त हुई। जिसके लिये आप सभी शेयर धारक बधाई के पात्र है।

8. गत वर्ष में ही कृषि विज्ञान केन्द्र सुंदरनगर ने धर्मपुर खंड में 800बीधा भूमि पर सोयाबीन और सरसों की खेती करने के लिये हमारे एफपीओ के सहयोग से कलस्टर स्थापित किये है। कृषि विज्ञान केन्द्र सुंदरगनर ने हमारे प्रस्ताव पर विंगा के कचालुओं में बीज को शोध हेतु राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला दिल्ली को भेजा है।

9. एफपीओ द्वारा गत वर्ष जन सहयोग या स्वयं के खर्चो पर विभिन्न अध्ययन भ्रमण भी आयोजित किये है। जिनमें ज्वालाजी में कर्नल पी.सी. राणा के हल्दी फार्म हाउस, नांज करसोग में पदम श्री नेक राम शर्मा द्वारा मोटे अनाजों की खेती संबंधी, शिवरात्रि महोत्सव में समूहों के उत्पादों की मार्केटिंग संबंधी, चंबा में तैयार हो रही चुख व अन्य खाद्य पदार्थो संबंधी, बिलासपुर में आचार तैयार करने संबंधी तथा खौदा में मशरूम फार्म हाउस और जोगिन्द्र नगर में औषधिय पौधों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिये आयोजित अध्ययन भ्रमण प्रमुख हैं।

10. राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम व सहकारिता विभाग द्वारा सुंदरनगर में 24नवंबर,2024 को, 4फरवरी,2025 को शिमला में आयोजित राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन, 23मार्च,2025 को कुल्लू जिला के सहकारिता सम्मेलन में भी एफपीओ संचालन बारे प्रस्तुती देने के लिये आमंत्रित किया गया था।

11. जिला सहकारिता विभाग मण्डी द्वारा 16सितंबर,2024 को सज्याओपिपलू में आयोजित जिला स्तरीय सहकारिता सम्मेलन में एफपीओ धर्मपुर को श्रेष्ठ एफपीओ पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

12. गत वर्ष में एफपीओ ने निम्नलिखित लाईसैंस पत्र भी हासिल किये है:–

क्र.स.	लाइसैंस	नंबर
12.1	बीज प्रमाण पत्र	MND-27/2023
12.2	खाद प्रमाण पत्र	DPR-701/2023
12.3	किटनाशक प्रमाण पत्र	MDI-1119
12.4	उद्यय प्रमाण पत्र	HP-08-0021309
12.5	मंडी/मार्केट प्रमाण पत्र	APMC/MANDI/117441

13. राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से प्राप्त सहायता राशि

क्र.स.	विवरण	राशि	प्राप्ति दिनांक
1	प्रथम किस्त	392000-00	29-3-2023
2	द्वितीय किस्त	246000-00	2-2-2024
3	तृतीय किस्त	255000-00	12-8-2024
4	चतुर्थ किस्त	302000-00	31-3-2025
5	पंचवी किस्त	.....	.....
	कुल राशि	1195000-00	.....

एफपीओ योजना के तहत हमें तीन वर्ष तक सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त होगी। इस प्रकार हमें वर्ष 2025 के नवंबर माह तक आफिस, किराये,कर्मचारियों के वेतन इत्यादि के लिये सहायता राशि मिलेगी। उसके बाद हमें वित्तीय रूप में आत्मनिर्भरता हासिल करते हुये एफपीओ का संचालन करना होगा। जिसके लिये यह अति आवश्यक है कि हम अब व्यवसायिक गतिविधियों को प्राथमिकता दें और योजनाबद्ध तरीके से उन्हें लागू करके लाभ अर्जित करें।

14. खरीद, बिक्री एवं लाभ संबंधी रिर्पोट

वित वर्ष	कुल खरीद	कुल बिक्री	लाभ	स्टॉक
2022-2023	00.00	00.00	00.00	00.00
2023-2024	826041.00	485104.00	-96465.00	400778.00
2024-2025	2570807.17	219676.92	131634.00	1168581.00

वर्ष 2024-25 हमने 50लाख रूपये का व्यवसाय करने का लक्ष्य निर्धारित किया था लेकिन हम 26 लाख रूपये का ही व्यवसाय कर पाये। जिसमें एफपीओ द्वारा स्थापित प्रौसेसिंग सैंटरों के माध्यम से किये गये लगभग 10लाख रूपये के व्यापार की खरीद व बिकी संबंधी विवरण वित्तीय लेखे-जोखे में तकनीकि कारणों से शामिल नहीं कर पाये। स्टोर में सामग्री का रख रखाव सही प्रकार से व्यवस्थित न होने के कारण कुछ सामग्री खराब भी हुई है। इसलिये वर्तमान वित्त वर्ष में इस बारे ठोस योजना व जिम्मेवारी तय करके कार्य करने की जरूरत है ताकि वेस्टेज कम से कम हो सके। इसलिये हमें पैकिंग व मार्केटिंग प्रणाली को सुधारना होगा तभी हम ज्यादा लाभ अर्जित कर पायेगें।

15.सांगठनिक समीक्षा

धर्मपुर किसान उत्पादक सहकारी सभा की प्रबंधन कमेटी में सात सदस्य है और गत वित वर्ष में इसकी 11बैठकें आयोजित की गई है। प्रबंधक कमेटी में सचिव को छोड़कर शेष सदस्य आवश्यकता अनुसार समय नहीं दे पा रहे है। प्रबंधक कमेटी की समय अवधि एक्ट के प्रावधानों अनुसार पांच साल तक है इसलिये उसमें बदलाव नहीं हो सकता है। जिसके मद्देनजर हमने नियमावली में संशोधन करके एफपीओ संचालन के लिये 41 सदस्यीय वर्किंग कमेटी, 11सदस्यीय वर्किंग कोर कमेटी और 5 सदस्यीय सैंटर बनाया गया है। जिसमें प्रबंधक कमेटी के अलावा अन्य सक्रिय सदस्यों को शामिल किया गया है। वर्तमान में वर्किंग कमेटी के अध्यक्ष सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा चार-पांच अन्य सदस्य भी इसमें सक्रिय हैं। कुछ सदस्य कभी-कभी समय देते हैं और कुछ ऐसे भी हैं जो बिल्कुल भी समय नहीं दे रहे है। इसलिये वर्किंग कमेटी को पुर्नगठित करने का भी प्रस्ताव है और केवल समय देने वाले सदस्यों को ही इसमें शामिल किया जाना उचित रहेगा। कुछ पदाधिकारी क्षेत्रीय कमेटियों में तो समय दे रहे है लेकिन खंड स्तरीय कमेटी में नहीं आ पाते हैं इसलिये उन्हें क्षेत्रीय स्तर पर ही जिम्मेवारी देने का प्रस्ताव है। इसके अलावा सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार हमें शेयर होल्डरों की पंचायत व गांव स्तर की कमेटियां भी गठित करना जरूरी है जो हमने अभी तक गठित नहीं की है। जिन्हें हमें अगले तीन महिनों में प्राथमिकता पर गठित करना होगा। इसके अलावा 3से5 ग्राम पंचायतों के स्तर पर क्षेत्रिय कमेटियां भी बनाई जायेगी।

अभी तक बनाये गये शेयर होल्डर्ज में महिलाओं का अनुपात अपेक्षाकृत सही है और कुल 1537 शेयर धारकों में से 677 (45प्रतिशत) महिलाये हैं। लेकिन अनुसूचित जातियों से जुड़े सदस्यों का अनुपात बहुत ही कम है और केवल 20सदस्य (एक प्रतिशत) अभी तक बने है। इसलिये हमें इस कमी को ध्यान में रखते हुये अनुसूचित से सम्बन्ध रखने वाले सदस्य बनाने की योजना बनाना जरूरी है।

16.पूर्णकालिक कर्मचारी

भारत सरकार की योजना के अनुसार एफपीओ के संचालन के लिये एक पूर्णकालिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी.ई.ओ.) और लेखापाल नियुक्त करने के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। धर्मपुर एफपीओ में पहले एक वर्ष में जो दो कर्मचारी नियुक्त किये थे वे काम छोड़ गये है। उसके बाद वर्तमान में सी.ई.ओ. का कार्य अवैतनिक तौर पर श्री सतपाल सिंह चौहान जी कर रहे हैं। लेखापाल एवम् आफिस तथा स्टोर व मार्केटिंग के लिये दो कर्मचारी नियुक्त किये गये हैं। टैली अकाऊट साफटवेयर पर लेखा जोखा तैयार करने, कैशबुक लिखने और कार्यालय की समस्त टाईपिंग का कार्य आउटसोर्स किया गया है। प्राप्त प्रबंधकीय लागत की सहायता राशि में से इस कार्य को करने की अदायगी की जा रही है। लेकिन इस वर्ष हमें कार्यालय में ही ऐसे कर्मचारी नियुक्त करने होगें जो आऊटसोर्स पर करवाये जा रहे कार्यो को करने में सक्षम हो जिसके लिये प्रकिया शुरू कर दी गई है।

वित्त वर्ष 2025-26 के प्राथमिक कार्य

1. दो हजार शेयर होल्डर्ज या तीन हजार शेयर बिकी करना, सभी शेयर होल्डरों की पंचायत व वार्ड वार कमेटियां गठित करना, अनुसूचित जाति संबंधी शेयर होल्डरों को सदस्य बनाने को प्राथमिकता देना।
2. उत्पादों के भंडारण, पैंकिग और मार्केटिंग को व्यवस्थित करना।
3. इस वर्ष 1करोड़ का व्यवसाय करना।
4. एफपीओ द्वारा स्थापित प्रोसेसिंग सैंटरों के कारोबार को व्यवस्थित करना व उसे एफपीओं के रिकार्ड में शामिल करना। विंगा, समौइ और वसंतपुर में प्रौसेसिंग सैंटरों को लाईसैंस हासिल करना।
5. हल्दी उत्पादन व उत्पादों को प्राथमिकता के आधार पर तैयार करने के लिये प्रौसेसिंग यूनिट स्थापित करने के कार्य को जल्दी प्रारंभ किया जायेगा। जिसके लिये राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम को प्रस्ताव भेज दिया गया है। एफपीओ धर्मपुर हल्दी उत्पादों को अपना प्राथमिक उत्पादन बनाने के लिये कार्य करेगा। जिसमें हल्दी पाउडर के अलावा अन्य सभी प्रकार के उत्पाद बनाने को प्राथमिकता दी जायेगी।
6. वर्मी कम्पोस्ट (केचूंआ खाद) यह उत्पाद भी हमारा प्रमुख उत्पाद होगा जिसके लिये अलग-2 क्षेत्रों में समूहों को प्रशिक्षण दिया जायेगा।
7. स्थानीय फलों व वनस्पतियों आधारित उत्पादों को प्रोसेसिंग सैंटरों के माध्यम से तैयार करना और उनकी बिक्री/ मार्केटिंग करने का कार्य भी प्राथमिकता में रहेगा।
8. मोटे अनाज के उत्पाद जैसे मिठाईयों, आटा, बेकरी प्रोडेक्ट इत्यादि भी प्राथमिकता क्षेत्र में रहेगा।
9. प्राकृतिक विधि से अनाज, हल्दी, मोटा अनाज, कचालू इत्यादि फसले तैयार करने के लिये कुछ किसानों को चिहिनत किया जायेगा।
10. शिवा परियोजना के तहत स्थापित बागवानी कलस्टरों के साथ तथा कृषि विज्ञान केन्द्र सुंदरनगर के सहयोग से सोयाबीन व सरसों के कलस्टर, हर्बल गार्डन जोगिन्द्रनगर के सहयोग से औषधीय पौधे की नर्सरी स्थापित करने और कृषि व बागवानी विश्वविद्यालयों तथा नाबार्ड के सहयोग से भी कार्य किया जायेगा।
11. एफपीओ के कार्य को सुदृढ़, टिकाऊ और व्यवस्थित करने के कार्य को प्राथमिकता पर आयोजित करना।

(भूपेन्द्र सिंह)
सचिव
धर्मपुर किसान उत्पादक सहकारी सभा
मोबाईलः 78072-35530